🕉 जय अम्बे गौरी | By Tripti Shakya |

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी, तुमको निश्रदिन ध्यावत, हरि ब्रह्मा शिवरी।

ॐ जय अम्बे गौरी

मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को, उज्ज्वल से दोउ नैना, चंद्रवदन नीको॥

ॐ जय अम्बे गौरी

कनक समान कलेवर, रक्ताम्बर राजै, रक्तपुष्प गल माला, कंठन पर साजै॥

ॐ जय अम्बे गौरी

केहरि वाहन राजत, खड्ग खप्पर धारी, सुर-नर-मुनिजन सेवत, तिनके दुखहारी॥

ॐ जय अम्बे गौरी

कानन कुण्डल शोभित, नासा गज मोती, कोटिक चंद्र दिवाकर, सम राजत ज्योती॥

ॐ जय अम्बे गौरी

शुंभ-निशुंभ बिदारे, महिषासुर घाती, धूम्र विलोचन नैना, निशदिन मदमाती॥

ॐ जय अम्बे गौरी

चण्ड-मुण्ड संहारे, शोणित बीज हरे, मधु-कैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे॥

ॐ जय अम्बे गौरी

ब्रह्माणी, रूद्राणी, तुम कमला रानी, आगम निगम बखानी, तुम शिव पटरानी॥

ॐ जय अम्बे गौरी

चौंसठ योगिनी मंगल गावत, नृत्य करत भैरों, बाजत ताल मृदंगा, अरू बाजत डमरू॥

ॐ जय अम्बे गौरी

तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता, भक्तन की दुख हरता, सुख संपति करता॥

ॐ जय अम्बे गौरी

भुजा चार अति शोभित, खडग खप्पर धारी, मनवांछित फल पावत, सेवत नर नारी॥

ॐ जय अम्बे गौरी

कंचन थाल विराजत, अगर कपूर बाती, श्रीमालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योती॥

ॐ जय अम्बे गौरी

श्री अंबेजी की आरित, जो कोइ नर गावे, कहत शिवानंद स्वामी, सुख-संपित पावे॥

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a5\%90-\%e0\%a4\%9c\%e0\%a4\%af-\%e0\%a4\%85\%e0\%a4\%ae\%e0\%a5\%8d}{\text{\%e0\%a4\%ac\%e0\%a5\%87-\%e0\%a4\%97\%e0\%a5\%8c\%e0\%a4\%b0\%e0\%a5\%80-by-tripti-shakya/}$